

श्रीः  
श्रीमते रामानुजाय नमः  
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्रीपरमहंसस्वामिब्रह्मानन्द रिरचितं  
॥ श्री कमलापत्यष्टकम् ॥

*This document has been prepared by*

*Sunder Kidāmbi*

*with the blessings of*

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

*His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam*

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

## ॥ श्री कमलापत्यष्टकम् ॥

डुजगतल्लगतं घनसुन्दरं

गरुडराहनमधुजलोचनम्।

नलिनचक्रगदाकरमर्याङ्गं

भजत रे मनुजाः कमलापतिम् ॥ 1 ॥

अलिकुलासितकोमलकुण्डलं

रिमलपीतदुकूलमनोहरम्।

जलधिजाप्रितरामकलेररं

भजत रे मनुजाः कमलापतिम् ॥ 2 ॥

किमु जपैश्च तपोभिरुताध्रैः

अपि किमुत्तमतीर्थनिषेरणैः।

किमुत शास्त्रकदम्बरिलोकनैः

भजत रे मनुजाः कमलापतिम् ॥ 3 ॥

मनुजदेहमिमं डुरि दुर्लभं

समधिगम्य सुरैरपि राङ्घितम्।

रिषयलम्पटतामपहाय रै

भजत रे मनुजाः कमलापतिम् ॥ 4 ॥

न रनिता न सुतो न सहोदरो

न हि पिता जननी न च बाङ्कराः।

ब्रजति साकमनेन जनेन रै

भजत रे मनुजाः कमलापतिम् ॥ 5 ॥

সকলমের চলং সচরাচরং  
জগদিদং সুতরাং ধনযৌরনম্।  
সমরলোক্য রিরেকদৃশা দ্রুতং  
ভজত রে মনুজাঃ কমলাপতিম্ ॥ 6 ॥

রিরিধরোগযুতং ক্ষণভঙ্গুরং  
পররশং নরমার্গমলাকুলম্।  
পরিনিরীক্ষ্য শরীরমিদং স্বকং  
ভজত রে মনুজাঃ কমলাপতিম্ ॥ 7 ॥

মুনিররৈরনিশং হৃদি ভারিতং  
শিরিরিঞ্চিমহেন্দ্রনুতং সদা।  
মরণজন্মজরাভযমোচনং  
ভজত রে মনুজাঃ কমলাপতিম্ ॥ 8 ॥

হরিপদাষ্টকমেতদনুত্তমং  
পরমহংসজনেন সমীরিতম্।  
পঠতি যস্তু সমাহিতচেতসা  
ব্রজতি রিষ্ণুপদং স নরো ধ্রুৱম্ ॥ 9 ॥

॥ ইতি শ্রী কমলাপত্যষ্টকং সমাপ্তম্ ॥